>

Title: Alleged move to separate the technology faculty (I.T.) from Kashi Hindu University.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): महोदया, मैं आपके माध्यम से एक महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर ध्यान आकर्Âिात करना चाहता हूं। इस सदन में इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी अमेंडमेंट बिल, 2010 रखा गया है जो बीएचयू के आईटी सैक्शन को आईआईटी बनाने के संबंध में है। हर व्यक्ति जानता है कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पंडित मदन मोहन मालवीय जी ने 1916 में स्थापित किया था। माननीय प्रधानमंत्री जी बीएचयू के दीक्षांत समारोह में गए थे और इस बात की घोÂाणा की थी कि हम आईटी को आईआईटी के समकक्ष रखेंगे। यहां के पूर्व छात्र तमाम विश्वविद्यालयों में कुलपति हैं, प्रतिÂिठत वैज्ञानिक, टेक्नोक्रेट आदि प्रतिÂिठत पदों पर हैं उन सबने आशंका व्यक्त की है और इस बिल के माध्यम से आपत्ति भी व्यक्त की है। पंडित मदन मोहन मालवीय जी ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना के पीछे उनके भाव था कि यह विश्वविद्यालय आर्ट्स, साहित्य, साईस, इंजीनियरिंग, टेक्नोलाजी, एग्रीकल्चर, कॉमर्स, मेडिसन, आयुर्वेद, म्यूजिक, फाइन आर्ट्स आदि हर क्षेत्र में प्रतिÂिठत नागरिकों को पैदा करेगा। उन्हें आशंका है कि जब बीएचयू के आईटी सैक्शन को अलग करके आईआईटी का दर्जा दिया जाएगा तो बीएचयू का वह स्वरूप नहीं रह पाएगा। सबने इसलिए मांग की है कि आईटी बीएचयू को लेते हुए आईआईटी जो काशी के लिए जो स्वीकृत किया गया है वह बीएचयू से संबद्ध हो, उसका अलग स्वरूप न हो। अगर अलग स्वरूप बनता है तो बीएचयू की स्थापना के पीछे जो भावनाएं थी वे कहीं न कहीं आहत होंगी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के साथ बहुत बड़ी संख्या में लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से संबद्ध रहते हुए आईआईटी की स्थापना की जाए। धन्यवाद।